St. XAVIER'S HIGH SCHOOL

SANSKRIT BEGINNER CLASSES CONTENT

व्याकरणम्

वर्णविचार:

संस्कृते 48 **वर्णानां** प्रयोगः भवति । ते मुख्यतः **त्रिषु भागेषु विभक्ताः सन्ति** 1. **स्वरा**:, 2. **व्यञ्जनानि**, 3. **अयोगवाहौ च ।**

स्वराः (13)	
ह्रस्वस्वराः - 5	**दीर्घस्वराः - 8**
अ इ **उ ऋ** ऌ	आ ई **ऊ ॠ** ए ऐ **ओ औ**
व्यञ्जनानि (33)	
वर्गीय व्यंजनानि (25)	**अवर्गीय व्यंजनानि (8)**
क वर्गः- क् ख् ग् घ् ङ्	**अन्तस्थाः- य् र् ल् व्**
च वर्गः- च् छ् ज् झ् ञ्	**ऊष्माणाः- श् ष् स् ह्**
ट वर्गः- ट् ठ् ड् ढ् ण्	
त वर्गः- त् थ् द् ध् न्	
प वर्गः- प् फ् ब् भ् म्	
अयोगवाहौ (02)	
अनुस्वारः	**विसर्गः**
(ं) रामं	**(:) रामः**

शब्द परिचयः
(पुल्लिङ्गम्, स्त्रीलिङ्गम् नपुंसकलिङ्गम्)

* संस्कृत में लिंग के तीन भेद होते है-

1 पुल्लिंग

२. स्त्रीलिंग

3. नपुंसकलिंग

पुल्लिंग
जो शब्द पुरुष जाति का बोध कराते हैं, उन्हें पुल्लिंग कहते है, जैसे-
छात्रः, नरः, अश्वः, गजः, गर्दभः, मृगः आदि । इन शब्दों को एकवचन द्विवचन और बहुवचन के रूप में इस प्रकार लिखेंगे-

एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
नर:	नरौ	नरा:
अश्व:	अश्वौ	अश्वाः
मृगः	मृगौ	मृगा:
गज:	गजौ	गजाः
छात्र:	छात्रौ	छात्रा:

अकारान्त जिन शब्दों का अंतिम वर्ण 'अ' हो, ऐसे शब्दों को अकारान्त पुल्लिंग शब्द कहते है।

स्त्रीलिंग -
जो शब्द स्त्री जाति का वोध कराते है, उन्हें स्त्रीलिंग कहते हैं- जैसे-
चटका, कोकिला, शिक्षिका, सेविका, छात्रा आदि इन शब्दों को एकवचन द्विवचन और बहुवचन के रूप में इस प्रकार लिखेंगे

एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
चटका	चटके	चटकाः
अजा	अजे	अजाः
कोकिला	कोकिले	कोकिला:
छात्रा	छात्रे	छात्रा :
सेविका	सेविके	सेविकाः

कलिका	कलिके	कलिकाः

आकारान्त -
शब्दों को ही आकारान्त स्त्रीलिंग शब्द इसके अन्तर्गत स्त्रीलिंग के वे शब्द आते है जिनके अन्त में 'आ' हो। एसे कहते हैं।

<u>नपुंसकलिंग -</u>
पुल्लिंग और स्त्रीलिंग से भिन्न शब्द नपुंसकलिंग के अन्तर्गत आते हैं। जिन शब्दों के अंत में 'म' हो उन्हें नपुंसकलिंग शब्द माना गया है: जैसे-

नेत्रम्, मुखमू, फलम्, गृष्म् चक्रम् (पुस्तकम् आदि।

एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
नेत्रम्	नेत्रे	नेत्राणि
मुखम्	मुखे	मुखानि
फलम्	फले	फलानि
गृहम्	गृहे	गृहाणि
चक्रम्	चक्रे	चक्राणि
पुस्तकम्	पुस्तके	पुस्तकानि
कन्दुकम्	कन्दुके	कन्दुकानि

सर्वनाम परिचय:(वह, यह)

एकवचनम् ,द्विवचनम्, बहुवचनम्

पुल्लिङ्गम्, स्त्रीलिङ्गम्, नपुंसकलिंङ्गम्

पुरुष	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथम	स:	तौ	ते
	(वह)	(वे दोनों)	(वे सब)
पुल्लिङ्गम्			
	एष:	एतौ	एते
	(यह)	(ये दोनों)	(ये सब)
	सा	ते	ता:
	(वह)	(वे दोनों)	(वे सब)
स्त्रीलिङ्गम्			
	एषा	एते	एता:
	(यह)	(ये दोनों)	(ये सब)
	तत्	ते	तानि
	(वह)	(वे दोनों)	(वे सब)
नपुंसकलिंङ्गम्			
	एतत्	एते	एतानि
	(यह)	(ये दोनों)	(ये सब)
मध्यम	त्वम्	युवाम्	यूयम्
	(तुम)	(तुम दोनों)	(तुम सब)
उत्तम	अहम्	आवाम्	वयम्
	(मैं)	(हम दोनों)	(हम सब)

धातु अवबोधनम्

धातु रूप पढ़ने से पहले संस्कृत के 3 मुख्य स्तंभ :

*वचन : एकवचन (एक के लिए), द्विवचन (दो के लिए), और बहुवचन (दो से अधिक के लिए)।

*पुरुष : प्रथम पुरुष (अन्य व्यक्ति), मध्यम पुरुष (सुनने वाला), और उत्तम पुरुष (बोलने वाला)।

*लकार : 1. मुख्य रूप से 5 लकारों (लट,लृट् ,लोट, लङ्ग और विधिलिङ्) का प्रयोग होता है।

2. प्रत्यय या सूत्र विधि

उदाहरण के लिए, लट् लकार (वर्तमान काल) के प्रत्यय इस प्रकार होते हैं:

पुरुष	**एकवचनम्**	**द्विवचनम्**	**बहुवचनम्**
प्रथम	अति	अतः	अन्ति
मध्यम	असि	अथः	अथ
उत्तम	आमि	आवः	आमः

किसी भी धातु (जैसे- पठ्, गम्, लिख्) को इन प्रत्ययों के आगे जोड़कर क्रिया शब्द बनाया जाता है: जैसे-

धातु रूप (पठ्-पढ़ना) लट् लकार:(वर्तमान काल)

पुरुष	**एकवचनम्**	**द्विवचनम्**	**बहुवचनम्**
प्रथमः	पठ्+अति=	पठ्+अतः=	पठ्+अन्ति=
	पठति	पठतः	पठन्ति
	(वह पढ़ता है)	(वे दो पढ़ते हैं)	(वे सब पढ़ते हैं)
मध्यमः	पठ्+असि=	पठ्+अथः	पठ्+अथ=
	पठसि	पठथः	पठथ
	(तुम पढ़ते हो)	(तुम दोनों पढ़ते हो)	(तुम सब पढ़ते हो)

उत्तमः	पठ्+आमि	पठ्+आवः	पठ्+आमः
	पठामि	पठावः	पठामः
	(मैं पढ़ता हूँ)	(हम दोनों पढ़ते हैं)	(हम सब पढ़ते हैं)